मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक
1	मधुवाटिका हेतु सही जगह का चुनाव।	01	02
2	मधुमक्खी वंशों का स्थापना करना।	02	02
3	मधुमक्खी वंशों का उचित प्रबंधन i. अभावकाल में कृत्रिम भोजन देना। ii. अभावकाल में छत्तों का संरक्षण। iii. रानी तैयार करना। iv. नए वंश बनाने हेतु शक्तिशाली वंशों का विभाजन करना। v. शक्तिशाली वंश बनाने हेतु दो कमजोर वंशों को मिलाना। vi. मधु उत्पादन बढ़ाने हेतु व्यवस्था करना। vii. बकछुट नियंत्रण एवं मधुमक्खी वंशों का स्थानान्तरण। viii. मधुमक्खी पालन के विभिन्न आधुनिक यंत्रों का उपयोग। ix. विभिन्न शत्रु तथा बीमारियों की पहचान एवं उसका इलाज।	09	09
4	मधुमक्खी वंशों का निरिक्षण। i. निरिक्षण के समय मौसम। ii. निरिक्षण का सही तरिका। iii. पराग गणना एवं इसका महत्व। iv. मधुमक्खी वंश की वास्तविक स्थिति का आकलन एवं इसका रिकार्ड रखना। v. टेढ़े-मेढ़े एवं अनावश्यक छत्तों को निकालना एवं नियमित साफ-सफाई।	05	05
5	लेखा जोखा रखना i. पिछले निरिक्षण के दौरान किए गए एवं उगले निरिक्षण के दौरान करने योग्य कार्यों का उचित लेखा-जोखा रखना। ii. विभिन्न खर्चों एवं आय का सही लेखा जोखा।	03	03